



आमि भक्तवार्ध

५५१

२८।५०

७।३

लिनि व म धा रि क

११ १०

आम सार्वभौम	
५४१	

ASMA ARCHIVES

कृवे रमान

सं

नामसंगिटि

सरसा

श्री कृतिमान १

दिज्यमान

खन १९२०

१६ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ वदध्वनीमा नृद्वद्वदमवाय ॥ १ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 ध्रुवशा ॥ ~~मन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र~~ ॥ २ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 वनवदसत्तुदय ॥ ३ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ४ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ५ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल

१७ अथ वदध्वनीमा नृद्वद्वदमवाय ॥ १ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ २ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ३ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ४ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल
 विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल ॥ ५ ॥ विलाकवीकथिवीथा गुच्छनीकालिल

स्वे वल्लभे वदयासि कि। इदं नू दमकं वीने वीनवी रुम्भयि कि॥ ०॥ वदयासि त्वय मूखन अनक वद
 यासि गलन इन्द्रादि नं ऊय वर्यथा
 दि कवठ गत्र्यर्थार्थि यवदयासि॥ ३॥ उ
 हाक नू आऊ गदथे कपः यवे॥ ०॥ थव
 यादथा हध वदयासि वलन समरु विद्वगलन सयलिय मन्त्रा वलन याडया यन ऊय वय मदाक नू आः

न सीयं नश वज्रगत्त सावया कृणार्थया क मदाक नू आवन्न थार्थि यवद सत्वध क शाक मनिं जाहादय क व
 ॥ ४॥ इन्द्रादि नं ऊय वर्यथा
 विहेया आन दयाह दुष्टमान क व म
 वर्यविज्ञा क क वलन सीयं नश व स
 यम मनाथ सीवद रु गवन्न नू था गनः क नीजलिय टारुत्वा इन्द्रादि नं ऊय वर्यथा ॥ ०॥ सवदधाय रु

धर्माया ज्ञानकृत्याय यथाशमानया यमात्र गार्थिग्यवृत्तयावधारसामहान्नीवत्तु समस्तार्थकं कवम
 कव धर्मोऽधर्मो नित्यवर्तनीयवैश्या
 ध्यायाज्ञानश्च यावत्तु गुरुनाज्ञानसव
 क वदयासिधाय ॥ २ ॥ रुगवानज्ञा
 ज्ञानमूर्तिस्वयं रुव ॥ ० ॥ रुगवानज्ञा कमानि गार्थिग्यज्ञानगतीव यक मनुष्यायामि समस्तान्म
 क समस्तसंसारयागुव महायानिकियाया समय
 रुव गार्थिग्यवृत्तया मनवद्विद्या यावत्तु वृत्तयावध
 नकायस्य महास्त्रीयस्य गीयन । मंदशीज्ञानसवस्य
 ४

यावृत्तवर्मरुशी ध्यायाधर्मोऽयामि ज्ञानमूर्ति यावृत्तविकाक (था) यावत्तु यं रुयाव आह दयकं यम
 नदयमात्रधक वदयासिधाय ॥ २ ॥
 मध्या नृकल्याणी नाम रं गीति मूर्ते मां
 अर्थ गीतिव अथाह अनन्यमात्रव
 र्थ समस्तवत्तमाक गतिमाक समस्तान्मया सिंदरुम (था) सावृत्तु वृत्तयावत्तु वृत्तु नमद् गत्यनधा
 ॥ ० ॥ रुगवानज्ञा कमानि गार्थिग्यनाम रं गीति या
 यायमजीव महाडरुमज्ञानकथाय महाज्ञानयाय
 ५

वसा आदि स मधुसूत अन्नस मंगलन सयन दव नाम सगी निधा या ग म म हा ड ले म क थान स य न द व
 धर्धि यना म सगी नि ॥ ११ ॥ या नि के रा यि ना व द्दे रा यि अ न्न ना ग ना ॥ य ल्य ना थ स व द्वा
 ह आ रा व न्न य न य न ॥ ० ॥ ह या व य न थ ग न य नि स्य न ह्ना स्य ता थ स लि व व थि व व द्वा य नि स्य ॥ ३
 न य व थि व आ न द या ह न आ व द स्य आ स व द्वा य नि स्य न वा र व व य र य व न व थि थि य ना म
 सगी नि धा या ग म ॥ १२ ॥ मा या जाल म द न नु या वा सि स य गी य न । म हा व द्वा ध व द्वा र म थ म नु धा

विरिष्ठा ॥ ० ॥ ग र्धि यना म सगी नि धा व सा मा या जाल न नु स यि का र्थि क या ग म (था ना म सगी नि य का ज या
 हा । न ड न ड व द्वा य नि स्य न आ न द्वा ह न या न ल व नु थ (था ना म सगी नि ॥ १३ ॥ अ र्द
 थि धा व थि आ मि नि स्य न व द्वा स य य थ र ग वान् म र्द ना र्थ स व स व द्वा गु द्वा धु क ॥ ० ॥
 श र ग वान् म र्द ना र्थ (था ना म सगी नि धा या सा नु ऊ न ध व र य वि ले न द द या ह (था ग म
 श का ध व र य थान ह व ह व या व द्वा य नि स्य न व द्वा य नि स्य न ध व र य (था ऊ न ध व र य या ० या य

समस्तज्ञानकथासंगुक्तान्नवधनवर्धनविद्याकथकथाया उडाउनधनवधधक (आकरीणाक्रमनिसा
 कथिनाययादासवदयार्ति॥५॥
 कृष्णनासाय अण्वयज्ञानदानया॥०
 यायउनमगियावलर्थ अनकद४०
 मायकथार्त यक्षानियाया॥५॥ नवमध्यायगुह्यदा वदयासिगथागर्त कृणाज्जलियदाहता य

कथायस्त्रिंशत्तमः॥०॥ (आकरीणाक्रमनिसक यार्थनायादा
 गार्थयार्थनास्याकधवसादाउन
 न॥॥०॥ अथयज्ञागाथायाद
 धगाक्रमनिरुगवान् सीवक्षादियदा
 थानन्नवधर्तरीणीणाक्रमनिसान वदयासिकदासव गार्थिगसाक्रमनिधवसा सम्यक्त्वे वदकथागकथ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
---	---

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
---	---

दिग्यायनिमिहिन मरुथागकथाश्च नृनठना नृमदाषक वजावन्नखवधका श्रीकृष्णिंशाहाविवा ॥
 ४॥ मरुथागनामसंगीति यविनामघी ॥ नागनी । मंजुशीलानकायस्य मनुष्यासु समुद्यता ॥ ० ॥
 ३ हवदयासि गार्थिगुनामसंगीति सम ॥ स यविनायक मंजुशीलायाहानग्रीव ध्यामनुठ ॥ ६
 नृथागयागचुन ॥ ५ ॥ कत्साधदश ॥ यामक अर्द्धकमुद्रकाधियशश्च नृत्वमकायमनाहता
 धरुगवानिनि ॥ ० ॥ शवदयासि जिवचुनखठडागुपीजनकनद्रया चुनप्रकमननठडाना निश्चयन

कनद्रया वदयासि चुनठडा ॥ ६ ॥ यकिवचनगाथावद ॥ ० ॥ वचनगाथायाकयय ॥ ० ॥ अथश्रीकृष्णिंशाहाविवा
 गवानसकप्रमनुकलमरुका मनुवि ॥ आधेनकलं ब्रवलाककलं गय ॥ ० ॥ धनलिवदयासि
 लं श्रीकृष्णिंशाहा यगुलिकलयव ॥ सकल वदमाग्रेखं आदधीविं अनेककाठिनियकग
 कसदममनुजायत्रयथाय मंजुशीलं ॥ दया मनुविआधवययं वाधिसर्वधस्यावदने वा
 वलाकीधायथाययाकल मंजुशीलं ॥ १ ॥ लाकलाकारुवकलं लाकालाककलं मरुका मरुदाकलवागी

महाश्रीयेकलंमदु॥ ०॥ लाकारुवधर्मो लाकर्मसावथाकमानगुवीकलधध्यावद्वर्षे खनदकयुधिविल
 मलिदवजादिनंजासाकधाय वाधि
 मदाजादियाजगडरुमकलधध्याव
 लावलाकनगाथाध॥ ०॥ आयगुवी
 कामदयादयं अनत्याधर्मिनीगाथा लावभमगिवायन॥ ०॥ आवलायाखयगुठिकलंकलद्वर्षे सम

रुमनुयावाजाश्वर्षे अदययवमार्थे नकाकावधुनागा अनत्याधर्मिनीगाथाधाय अनकधर्मन
 संयनयादवाठगाथा सवेरुनथाग
 लीडडुनेडोडोर्जजुसिनादधि
 द्वादशोदधध्यायवमाक्षर रुदयम
 यव वृद्धमागेलिखयाययासतयाड ॥ १ ॥ उवजनीमुदःखदयलाज्ञानमलेय।ज्ञानकायवागीधयज

७७

सर्वे वास्तव्यस्तथाय समस्तवचनलावज नयावचनकजस्तव्यसिद्धिवचनयाकथार्थिर्मदशी
॥ १ ॥ महामदमदावाग सर्वसत्त्ववर्गि
मदमदशीधाराया अकिमवकज सुन
क्षेत्रविष्ठाक अकिमवधद रुनवरी
महामदमदामाद मद्धधीमादमदव महामदमदकाध मदाकाधविषमदान् ॥ ० ॥ गार्थिर्मदशी सर्व

७७

मादमद रानडयदगविव कवकजवक अरानीमया अरानभावक रुनं गार्थिर्म अकिमवकाध निगव
यादभावक कवकाधियागवयासि
यादधीभावक कवकाधियागवमन
रुमदावारु सर्वसारुनिसूत्रव ॥ मदा
रुमदावारु संयुक्तयादलोकया समस्तलारुभावक रुनं गार्थिर्म समस्तकामनारुलविषरुव मदास

ॐ
द्वि

स्वप्नानविवरुन्महादयानसंज्ञक अत्यन्तः ॥ रायमानरुव थथिंमंरुशी ॥ ५ ॥ महाब्रुधामहाकाथा
महावल्मोमहावयः ॥ महानामामहादा
धिविच युथिनमहद्वय रुन्मथिंम
रुदवमनयानं नामकास्यरुव महाव
महाकाशक ॥ गनी ॥ महायशो महाकिरि महाधातिमहाद्यकि ॥ ० ॥ रुवधदशानुधववयंविज्ञाक गत्

॥ महावियवमधुन ॥ ० ॥ गथिसूत्रुयव रु अतिरुव
धावसामहानामजाना रुवडदाव महात्यागिवरु सम
कथानायक मंरुशी विरुव ॥ ६ ॥ महायज्ञायधधया

थिंमंरुशानुधवसा महानानशानुधववयंविज्ञाक रुन्मथिंमधवसा महानरुदश्चयासावगावनयाय
यागमहजंरुसधववयंथाद रुवजस
रावधव थथिंमंरुशी ॥ ० ॥ महामाय
महामायावृजालिक ॥ ० ॥ गथिमंरुशी
महद्विक विवांमहायधिरु रुन्मथिंममहायथेड रुमयदवियरुव रुन्मधसंसावयामायास रुवृजाल

रादाव मंगलड रुमकिरिवाक रु महावजव रु महाय
धवाविज्ञान महामायाधसाधक ॥ महामायावकिरना
धावसा रुवधदमहिमाधव अनगमायाकदाव हान

अ
ह

दयकां नानावकावसन्नविज्ञाक ॥ ८ ॥ महादानयगित्यसू महाशीवधत्तायसी । महाज्ञानिधवाधीवा
महावीर्ययवाकमहा ॥ अनकदानम
वयावनिजावयोधववयू महाविद्ये
वन् धर्धियमंरुशी ॥ ९ ॥ महाध्यानम
सिधिरूपनसागवश ॥ १० ॥ गर्थियमंरुशीधवासा महाध्यान समाधिन सीयनरुप रुचंगर्थियधवासा अनरुप

१३

ज्ञानमवीर्यववयविज्ञाक महावववन् महाडयायसव ज्ञानथा ममु ॥ ११ ॥ महामेगीमथामथा महा
कावसिकागधी । महायज्ञमहाधीमा
सा समन मनरुवमिगवडथे महा
हाकवसावाव रुचंगर्थिय यज्ञावन्
यथायवव ॥ १२ ॥ महाजिह्ववपीयवा महावला महाजवश महाद्विकामरुणा महावलयवाकम ॥

अ
क

॥०॥ महाकवमद्विधन महावगवन्नुदव मयासिनंगवधद महाकजधन समस्तसंसावयास्वामी धर्धि
 यमईश्वरी ॥ महावलमहायवाकमिथा ॥ १२ ॥ महाकवमद्विधन महावगवन्नुदव मयासिनंगवधद महाकजधन समस्तसंसावयास्वामी धर्धि
 महाकवमद्विधन महावगवन्नुदव मयासिनंगवधद महाकजधन समस्तसंसावयास्वामी धर्धि
 वकु वदयाहानधनवयविष्ठाक या
 रुयकव समस्तविष्ठागलयाग महाकवमद्विधन महावगवन्नुदव मयासिनंगवधद महाकजधन समस्तसंसावयास्वामी धर्धि

۷۸

याननयात्रुमहायाननयारुम॥०॥गर्थियमईशीधायसा,महाविद्याकय,युद्धवीमहाविद्यायास्वामि
 समस्तकथागन्यामन्यागुव,द्वैम
 मनुविद्याद,द्वैगर्थियमहायानकि
 महामसुलगाथायुद्धदश॥॥धर्मेव
 विशावनावहा,महामोनिमहामनि॥महामंननयात्रुमहा,महामंननयात्रुमहा॥॥गर्थियमईशीधायसा

हायानकियायायनियानिदयर्कडहेमकियासवधधि
 यानकियासुनयनयधधियमडिजी॥१४॥धर्मधाठ
 रुधधठमहामलनयानाधाधाकडिमधय॥०॥मूला

अ
ह

ध्यावनमथागमयास्यतावथर्थिगमदाहानिवक्तमोनधर्मयाध्यानयाकमदाकयसिहृन्वगर्थिगमदासनु
दत्यलिङ्गवथानमन्नाकवसुलि॥१॥द
धुद्धिदशयवमिमानयथा॥गीवयाव
र्थिगुजिगुवियावमिमायाआशयह
कवावदावडात्यलियाकहृन्वदशयावमिमाववयाननीगियविकयाकथर्थिगुर्महशी॥२॥दशरुमी

५३

ध्यानाथादशरुमियनिसिक्कशादशहानविशुद्धात्मादशहानविशुद्धधुक्॥॥गर्थिगुर्महशीयामदिमाजि
गुवीरुमीहानयास्वामीदशरुमिह्य
गवीरुदहृमदाहानविशुद्धयाहधन
विहृजगयविधार्थकयादशाकावा
वहयावाजासुयसमरुसीमावदयकावजिगायकावनहृदसयाकथर्थिगुर्महशीयथाकावमह

३१
न

शीर्ष ॥ ४ ॥ अनादिनिययवात्मा शुद्धात्मा गन्धमात्मकः ॥ रुक्मवादिज्ज्वावादी गन्धमात्मा विज्जनन्नावात्मा ॥ १ ॥
गन्धियमर्द्धशी धमनयादिस (माद्मद
रु अद्वयज्ञानसंबन्ध रुक्मगन्धि यत्न
कथिवधुर्क गन्धामगन्धमद्मक यव
वस्त्ररुक्मनवात्मा सिद्धिनिनाद कृतिश्चमृगरीक वशा ॥ गन्धियमर्द्धशी समरुजिनाजनु या

१६

निनडत्वारि याठाव ससावदयक यंचरुक्मयात्मा स व्यायययावयाठ रुक्मसिद्धयार्थियवाकम मरुठनी
था याकसिद्ध मावक ॥ ५ ॥ सवेर्णमा
वकवलि महावेवशा ॥ गन्धियमर्द्ध
यवग जिनाजिनयावाजा समरुग
मन्वागन्धवात्मा गन्धियमर्द्धयनिवेसि महान्वावा (धोवया अननया महानय ॥ १ ॥ रुक्मगन्धियमर्द्ध

ॐ
ॐ

शी समस्तगलयाभाक्त महाआचार्य वदधर्मसिधयाथाकव मनथावसायाक महायशावधव नका
कावयात्मा ॥ ८ ॥ वागीश्वराक्षकिवा
त्यायदशक ॥ ० ॥ गर्थिगर्मदशी अ
हायनालयाख्यानकाक समस्तवव
गीकनला मुदिता उयाका धयगाया गत्वदशनायादविष्काक ॥ ९ ॥ जवेवलिकाकनामासी स्वप्नय

त्यकनायक शानानिथ्याननियोका महारुमाककावला ॥ ० ॥ चूगाइअष्ट नकासद यत्यदवयो समस्तयाना
यक मईशीशावक यत्यक महायान
कावला यवरु नगात्मायागर्वश ॥ ० ॥ अ
रुययाक शीमिरुकाकनाविवा ॥ ० ॥ अ
यवळ्ळयवयसमर्थदव धर्थिगर्मदशी भाक्तयदवाक धयागसमस्तु रयममाव ॥ १ ॥ विद्याववसमर्थ

ॐ
३

नमः गंगा लाक विल्य वः निमः मानि वः का वः सल द्रय नय मिः ॥ ० ॥ गर्थि ग्म मी द्वा सी धा व सा अन कः ॥ म्ब व
वयः मग न धा या ग धा ग न या म न स वा
व व न म द् अरु का व म द् म हा क म व क
लि ग ॥ के व बा लान नि यो म् ॥ य ल म का
था द् बा द् य गु रि था य स वा द् अ न ल व लान अ लानि मा व क् थ र्थि ग्म मी द्वा सी ॥ १३ ॥ स ध म्मो ध म्मो बा रा ग्मो न्

य ला क या का व ल का य स व स ल व व न द् क क म्ब व ना
व स वा य ॥ १२ ॥ स सा व या व का टि ल् ॥ क ल य क ल य ल् ॥ १४
वि द्वा व ल ॥ ० ॥ स सा व या व या द् वा द् या य सा व य व मा धि
॥ १३ ॥ स ध म्मो ध म्मो बा रा ग्मो न्

ला का ला क् क र य व धा ध म्मो ध य ध म्मो बा जा ल् थ या मा य य द् ग क ॥ ० ॥ ड रु म्मो ध म्मो बा जा म हा न द् व न् ग र्थि
य धा व सा म न् य या मि द्वा या क द् हा क
व ल् थ या मा य य द् ग क धा या क लान
द्वे स क ल य स वे स क ल य व जि र्ग शानि
थे सि दि या क मी द्वा सी स क ल य या का म द् य म रु व ना ना वि रु या वि का व र्ग क लान गाल व वि क ल य म द् मा

अ व सु वा द् थ र्थि ग्म य व म्मो ध व र्ग स म रु ध म्मो बा ॥ १५ ॥ सि द्वा थे मि
मा य ल क द् वि जा क थ र्थि ग्म मी द्वा सी ॥ १४ ॥ सि द्वा थे मि
वि क ल य क था धा द् ध म्मो धा द् य बा द् य ॥ ० ॥ स म रु अ

७
७

यमद धर्मधातुयाकावधसं (गावलसंभायमद ॥ १७ ॥ यन्वायुश्चर्मसाशा हानं हानाकं यमदगु। हानव
सदगहानी ससावदयसंरुत ॥ ॥ गधी
महाहानवक हानजायवयथाय खन
यन्वासंसावडा हानसावडा धनगायवि
धियायायगिषयसाधवद्याक वयवमाचोदरुकायधार्गक ॥ ॥ गाननंभायमदुव मादयाहान समस

ससावयानायक आगदगुगिसयंनरुव गधिंयदुनं हाननसयंन हानयायथागु महावद्वियकागयाक
समसआमानु मयदव गननंवरव
मेकावद्व यंरहानामेकाविशुधयव
द्वद्वद्व दगुवीगरीवधवयय यंरहान
आगकयामकट यक्रयका दगुवीवकाधवयय धधिंयमदशी ॥ १८ ॥ जनकसर्ववद्वाना वद्वयकययाववध

यद्वा रुवा रेवाथानि धर्मथानि रुवान् रुक् ॥ ० ॥ गार्थिधर्मेशी समरुगथा गन्याहं ववद्वव समरुवद्वः
 द्वि० या यववजाययययक यद्वाध्यायाह्य नध्वलानयाडत्यलिथान धर्मयाजा गथाथान समः
 रुर्मसायया रुयभायक ॥ १२ ॥ घनेक सावावकात्मा संधाजागाजगत्यमिश्रगगलाइवस्वयं २०
 रुययल्लानानलामरुन ॥ ० ॥ समरु यनयासाव साकावद्वगगीवथमथेथमडत्यलिङ्ग
 वजगत्ससाययास्वामि गगलाइवस्वयं रुवाय जाकासनंजाययय लानयायुग्मिथंठय थधिर्मंश्री

॥ २० ॥ वेवावनामहादिष्टी लानजागिविवाचन ॥ जगत्यदीयाहानाक महाकजायरास्वय ॥ ० ॥ गार्थिधायसा
 वेवाचनार्थिमहाकजवन् मंश्रीयौल्ल नयाजागिदेवाचन जगत्समीसाययाव थवकजनजा
 कल्यामानयाठविद्याक ॥ २१ ॥ विद्यावा आगमरुत्ता मनुयाजामहाथेकन महनिधायुगदी
 धाविद्यदशीविद्यत्यमि ॥ ० ॥ जनकवि आयावाजाव दनंजनगमनुयावाजाव महावकया
 स्वामित्तिमीसाययाकावद्वजनयावकथार्थिमंश्री ॥ २२ ॥ सर्ववद्वान्मरावाया जगजानववाचन विध्वन

विविधाभावे यज्ञामानामदाभवि ॥ ११ ॥ गार्धियमिदं शीघ्रावसा समस्तवद्वधमोयाहवन्वाह ज्ञानं सावयं
 द्वि ७ ॥ आनय्याकं सिद्धाधवसमस्तवद्वधमोयाहवन्वाह ज्ञानं सावयं
 दिने यज्ञायाहवन्वाह नय्याहवन्वाह नय्याहवन्वाह ॥ १२ ॥ कर्त्तव्यधवामन्त्री मन्त्रममयम ॥ १३ ॥
 नृधकावतनयधवामन्त्री मन्त्रममयम ॥ १४ ॥ मन्त्रममयम ॥ १५ ॥ मन्त्रममयम ॥ १६ ॥
 यथाह मन्त्रममयम ॥ १७ ॥ मन्त्रममयम ॥ १८ ॥ मन्त्रममयम ॥ १९ ॥ मन्त्रममयम ॥ २० ॥

नयाडयदगडत्यलिम्बानथर्धियमिदं शीघ्री ॥ २४ ॥ अमाद्ययागोविजया वजयागोमहागुरु ॥ वजाकल्पा
 मन्त्रममयम ॥ २५ ॥ वजयागोमहागुरु ॥ २६ ॥ वजयागोमहागुरु ॥ २७ ॥ वजयागोमहागुरु ॥ २८ ॥
 यज्ञकुरुव नवगुरुआदिनं वजयागोमहागुरु ॥ २९ ॥ वजयागोमहागुरु ॥ ३० ॥ वजयागोमहागुरु ॥ ३१ ॥
 गन्धवयमथर्धियमिदं शीघ्री ॥ ३२ ॥ गन्धवयमथर्धियमिदं शीघ्री ॥ ३३ ॥ गन्धवयमथर्धियमिदं शीघ्री ॥ ३४ ॥
 गाथा यथाविशक्ति ॥ ३५ ॥ गाथा यथाविशक्ति ॥ ३६ ॥ गाथा यथाविशक्ति ॥ ३७ ॥ गाथा यथाविशक्ति ॥ ३८ ॥

द्वि
द्वि

वहुजावलि। दद्याक नालक का नद लाद वग मानन ॥ ० ॥ काधया राजा त्वं यथा दद्यात् ययउश्रुतल व
कालादा मदावल वन वाच्यादा नेव
व थर्थि यमईशी ॥ १ ॥ यमान का विद्य
कामदाद व ॥ ० ॥ कमया राजा या क
वगवन मदा रयन क वरुध वय ददय सी वरुध वय माया वरुध मदा ड यन गवर्थ यथर्थि य

क का वमूर्ति ददा वधया गच्छिया वग्वा वन मं रु क ई
राजा वरुध गोरु य कल विद्यु वरुध वडा पाया व
विद्यया द मदन या यरु व वरुध गधाय मर्थि य मला

११

मईशी ॥ १ ॥ कलि लघु वरुथानि वरुमला न काय ॥ अ वले क उठा का था गऊ व मो य ठा क ध्रु क ॥ ० ॥ वरु यथे
ममंड ल्य लि श्वान वरुशुद आ का गर्थि
किमिया च्छु गु विन दया डाय ग थर्थि
क ॥ अयु हा मा मदा हा ॥ वरु हा ॥ मा म
वया द वा द निमि लि न अ मिरु य क व थर्थि य ग व न द द न द वा व या ग थर्थि य मईशी ॥ ४ ॥ वरु स व म

य वृ अन क वरुध वय गर्थि य मूर्ति न क उठा या क
ममईशी ॥ ३ ॥ दा हा का वा मदा या दी दी का वा रयान
दा व व ॥ ० ॥ गर्थि य मूर्ति दा हा का व ग व न दी दी का व ग

दि
ह

रामत वदवाजामहामुख ॥ वदवद्वामहामादा । वदहं कावहं कृति ॥ ॥ गार्थिग्यमदुगीयावृय वदसर्वम
रामवीवयाह वदयाहृष्ववसदजान
संलय हं कावधायवीजाहवमनु ॥
शिवजी नकवकी वसीजहृष ॥ ॥ गार्थिग्य
ववययाह वृयुविवदन समरुविमिश्रयजयवययाह थर्थिग्यमदुगी ॥ ॥ ॥ वदकलाकलालाका वदका

१३

लागिलावदशवदावला महवध्व जमाका वदवावन ॥ ॥ गार्थिग्यमलिमदुगी वदनाहाननजाहानव वद
वडर्थिग्यकजध्व मिश्रा जग वदसद
कारकन वदलोकाविगदश वदकादि
वशविमलिमदुगी वदर्थिग्यमीवि
डर्थिग्यकज हाक महानव ॥ ॥ ॥ वदमालाधवधीमान वदकरवमरुधिनशहाहाटहाध्वनिधोश्वा वदधाद्य

दि
क

यउकवशा ॥ नागर्थिमलिध्यावस आरुवशवदमाला वरुवशनलाकाथाठविद्याक ललाकावशव
न कलाडायउकवामन मयसंयक
कववामलान आकासधुययन धा
ठनकुययाय मनादशमव ध्या
काययनधठगव धर्थिगुगवनसंजकव मीकशीर्व ॥ ॥ आदगलानगाध्यादानसाददग ॥ ॥

व धर्थिगुमिदशी ॥ ॥ मीकधाशामलानाद केलाक
वाधायवगावत ॥ ॥ मीकधाशामलानादधाय डलम १४
वम दवंगर्थिगुगवधायसा केलाकनगावमिद आ

आरुआदगलानगाध्याकजिय ॥ ॥ अथगावनेयात्मा रुवकाठिवनकवभधुनगावादिबुयशा गं
रीवादावमजिनशा ॥ नागर्थिगुगवसध
ठवाठ आरुवससयमजिव शुनगा
यवम धर्थिगुमिदशी ॥ ॥ धमीमिवा
दगदिधमीदवृरिशा ॥ ॥ धमीमिवायागवन समरुवाकया महासंगवदव गर्थिगुधमीवाजन धमी

आरुवथागकलानन समरुयादिसिदकं अमीवया
वादवय महागकिव थादामद थादकायमजिव
महागवा धमीगलिमहावसधयुयमिदिगनिवाला

द्वि
क

गंधि धनं वन दण्डी गुरु वन यथेन वसवया वचां य दवलाक भाकृत्वा कलाक डय दभ विव धर्धि यम
इत्थी ॥ १ ॥ अत्र या वय वाना आ नाना
का ॥ ना गंधि य वय मद् आ का वं मद् स
या वय ग ध क या द व य ध य सं न द य
रु द्य व । सम त्रि का ये म गे स्था धर्म क ड म द द य ॥ ० ॥ कृ द न क न म जी व व द्वा दि वि धा तु या लू ध व ड ले म

२३

धै धर्म सा य स्था स थ द्वा य वि द्वा द्वा व चां य धर्धि यम इत्थी ॥ ४ ॥ के लो के क क मा रां ग सु वि ला वृ द्ध य जा य नि
दा किं ज व क न ध व का रु के ला क स व
धे स्था व रु नं ग धिं य धा व सा स या सि न
न ता व व य या ल क न न सं य व द्वा व के य
क लाना गु ल वा यो ला का रा यो वि भा व द ॥ ना र्थे स्था वा व ला का य ज व न ना रु धि वृ ले व भा ॥ ० ॥ सम रु ला क

दि
५

संभवमद्वहानी समस्तसाध्यागुलयायाचोय समस्तयागुवृत्तं बेलोकयाधुक्ल समस्तयाकल्यान
याकर्मदुशी धर्मसवलायाकर्ममा
गवधमविद्याधुकासंरुहा सवधिव
क्यासांगवदहानयासागवधायन
धर्मिधर्मदुशी संसावया यैजलधमधुयागर्थिधर्मजव सर्थकवहादय ॥ १ ॥ समिनालयसक्तमं संम
क्याकिशव ॥ ६ ॥ गगलासागर्मसाग सवेरुहानसा
नदावला ॥ ० ॥ आकासमयावयविज्ञाक समस्तसा २६
मदर्थे जहानरुमहाव दज्या नगवर्मसाभावक
समिनालयसक्तमं संम

मानवयावगगहानासिधकमकट सम्यग्धं वदहवम ॥ ० ॥ गर्थिधर्मदुशी समस्तद्वधनिलयसभाव
कर्मसावयावगगयादभाकवावक
सयलमिथीविज्ञाक ॥ ८ ॥ विद्वधमद्व
आकासमसांगक ॥ ० ॥ कायवाक
अनमद्वधधकमावका भाकयदवावकाडा थायनायाकर्मदुशी संसावया नलादमदमकी यदम
धर्मधन्याव जहानडत्यलिद्व मकटनयायाव जहान
सर्ममन्न सानानमृत्तिमाकिग ॥ सवोवयमनिमृक
विलेधमनडत्यलिद्व यायनिमेलयादभावक
अनमद्वधधकमावका भाकयदवावकाडा थायनायाकर्मदुशी संसावया नलादमदमकी यदम

दि
३

दयक साकयलकशासाधयाव॥२॥सर्वकगमलाकीना सधमधमार्गिग ॥४॥सर्वसत्वमहानागा
गुल(जयव(जयव॥०॥गर्थिगर्मिज
शवक यलक मलयाजस चववय
व समसगुलयावुजमर्गि धयाव
रुविनामलिधधव सर्ववलाहमाविउ॥०॥सीसावया वुलिककाया कायाआदिन कावर्गविजाक स

धीधावसा समसुयायनकावर्ग महादुःखदुःखाद
विजाक र्ग धयाव समसुलाकयाडलेम ॥४॥सुय २१
॥१०॥सर्वविधिविनिमक आमवतानिसमिहक ॥४॥म

दाकावं आकाशवंनविजाक विनामलिधववयविजाक अनकवलयासिन डलेम मर्गिधीर्विजव॥
॥१॥महाकल्याणवसुका महारुदाय
गर्थिगर्मिजमहाकल्याणवसुका महारुदाय
दार्क डल्यलियाक धयालियलि स
कवभावावथथिगर्मिजधी॥११॥गुलागुरुकालरु समयरु समयविउ॥सत्वद्वियहावलहा वि

डलेम ॥४॥सर्वसत्वाधेककला दिगधीसत्ववत्स ॥४॥०॥
क वलनकाठाद्यठथिगु डयलमाक व समसुयाली
कवयाकल्याणयाक सखयाक जिवाजनुयाक महा

द्वि
७

मक्रिणयकाविदः॥ ०॥ गार्थिगुहर्न शीठकावभव समयमभुलयाकलमव प्रसावभवसमभुलयार्थि
ययाकलमवसमभुमक्रिमात्रोवियरुडाथार्थिगर्म
श्रीमी॥ २३॥ गुभीगुभलाधमैरु यम
शुरु॥ ०॥ समरुगुलभव समरुधर्म
यासिं मगलववय मरुलकीववय शुरुकलानवक थार्थिगर्मश्री॥ २४॥ मरुसवा मरुसाभा मरु

नल्लुमरुवनिः॥ सक्तावसकगिरुकि यमादशीयोमत्यनि॥ ०॥ मरुगव मरुडवाहनसंयनशुव म
लासाववक मरुआनववक मरुर्मः
धव थार्थिगर्मश्री॥ २५॥ ववलीव
निलवयनासन॥ ०॥ गार्थिगर्मश्री
याग्य समरुयागवगगिहान समरुगवभावकाडावाय समरुयभाकडा॥ २६॥ मिमिभिम्ब

वि
३

मुंजगिवा ऊतिमोडी किविनीमान् यवाग्रीधु यवनीधु यववीवकलीववशा ॥ काशन (भी) कावाठथा
द ऊठदडा संखायवतया किविन यथा थधिठहन दायावखाव दागुवि वरुभाउस
यिठाठाकया थधिगुर्मदशी ॥ १५ ॥ म दावनधवामोडी वक्रवावीवताले मममहातया न
यानिय नातकोगा तमायली ॥ १६ ॥ वक्रयालि गधिगुर्मदशी धायाई महामहाधर्मस
वववैयवाठ मंशुलीननसयन वक्रवरीयाठ इन्द्रयजिनवर्यविष्ठाकले वववयववसदायहन

१२

ऊतिया वरुधवरयविष्ठाक लोममयावाधिसत्वधिगु ॥ १७ ॥ वक्रविष्ठाक लावक्रा वक्रनिमोनमायवान्
मुक्तिमाकाविमाकां गा विमुक्तिभाक कागिव ॥ १८ ॥ गधिगुवागीश्वरधायसा वक्रहानवक्र व
क्रनरुयधवरय वक्रावेदनशुचया निवोअयदलाक भाकमाईदागा समरुर्मसावया व
धनभाकनयाठविष्ठाक अतिभाक नय महाकामलकलानगिलयाक थधिगुर्मदशी ॥ १९ ॥
निगा १२ ॥ निवोनसिद्धिनिभाक आथानिवोअमानगा सखदृष्टानकनिष्ठ वेवागामयधीकयशा ॥

निर्वानसमाधियादाडा मरुत्तुययाहवाह मंगलयदार्थेइहसुखमादगाडा वेवागीधववयावधे
 यत्तयसवववययाह धर्धियमदशी ॥ २० ॥ अकथानयमावाता निवासाभानियंजन नि
 चालसर्वेयावायि शुक्लावीजमभाश
 वार्क धर्धिरुअधिदधर्क डयमाकम
 समरुजीवाकनुयाकयायवयाव अकथययादाडा सीमावदयकयाकन यसासवय ॥ २१ ॥ अत्रजावि

अविमला वीनदाधानिनामयशसुखवक्ताविवदात्मा सर्वरुसर्ववित्यवशा ॥ अत्रजावित्रजागुसम
 इनिमीनयायनलियमदव गर्थिय
 हनजात्मा रुगरुविकवलेमानसडा
 यत्रयधृक् निविकल्यानिलाशाग
 नानाअज्ञानअधर्माकाठगाडा सज्ञानधर्माधववययाव नानाविरुयोविकल्यामावगीयाह वदयाकि

म
न

कायकार्जयाक॥ २३ ॥ अनादिनिधनावद्धादिवद्धनिवासयः॥ हानेकवद्धवमया हानमृक्किरुथा
मक॥ ०॥ हवद्धासिगधिर्मदशी
दिवद्धुल्लमभाक्याथानययान
हानमृक्किरुथा
वदमावद्धावधिसिद्धा वादिसिद्धावाजिग॥ ०॥ गधिर्मदशी
धावसा अनादिवद्धयैदेयावाधियदयाहान अना
लियमदव धार्थिर्महानमृक्किरुथा निमोवव ३१
ह॥ २४ ॥ वागीश्वरामहावादी वादिवात्वादियोगवः॥
वदमावद्धावधिसिद्धा वादिसिद्धावाजिग॥ ०॥ गधिर्मदशी

मिर्ल समरुदवलाकन वादियायमरुद महामथे॥ वादियायसवचनयावाजाव वचनलायसमहा
वचन महामथे॥ उल्लमभाक्याथानययान
अयययसमथे॥ २॥ ०॥ समरुद
शासुवकवधिसिद्धा ०॥ गधिर्मदशी
उल्लम भायसिद्धा जीवत्सर्विकनरायनानायाह सूर्ययवागवधार्थ महामथे॥ २५ ॥ महामथेव
वाक्यलाहानसिद्धा वागीश्वरामहावादी वादिवात्वादियोगवः॥
आयाभास कजामालिसदनेना जीवर्ममृक्किरुथा
जीवसा समरुयालियनिडलिसह महामथे॥
उल्लम भायसिद्धा जीवत्सर्विकनरायनानायाह सूर्ययवागवधार्थ महामथे॥ २५ ॥ महामथेव

न
दि

नक्षत्रं गत्या हले निवृत्ते न॥ अ॥ अथ रोच्यं नृः कृ० अ॥ अधि मदा वि० ॥ ०॥ सावक्या निगर्थि यमं दृष्टी धा
वसा समस्त ससात्र यामदा वेश गर्थि यमं सात्र यामदा वधा दान क० र्थि यमं था क० धनु
वीय नका या डा वधा भाव का र्थि भाव न० सात्रिक या द० स्वदा नदा डा भागी
२०॥ नैसा कृ० निवका न० श्रीमान् नक्षत्र मधुल १८० दि० अ॥ मय र्थे भा० धर्म धनु मदा कृ० यभा० ॥ नैसा कृ०

३२

संस्थानं च नक्षत्रं यार्थं नक्षत्र मधुल सविज्ञा क द० दि गय र्थे न० आकाश त्वं धर्म धनु र्थं डव या द विज्ञा क
त्वं र्थि यमं दृष्टी ॥ १८॥ जगत्तु नका वि यथा मे गयै क० नृ० मधुल० यद्म नृ० यद्म व० श्रीमान् न० वत्त
चुका मदा विरु० ॥ ०॥ जगत्तु ससात्र स० नृ० नृ० याथा० अ॥ मदी क० नृ० याथा० य० श्रीयद्म नृ० यद्म
वसा नृ० यद्म व० वत्त नय विरु या द० नृ० न० र्थि यमं दृष्टी ॥ १९॥ सर्व वृद्ध मदा गजा
सर्व वृद्धात्म सावध क० सर्व वृद्धा मदा था ग० सर्व वृद्ध क० सासन ॥ ०॥ समस्त वृद्ध या गजा० समस्त वृद्ध या गजा०

ल
ह

साकाव समरुवदया आसनस महायागवयोधववयं गृथार्थिगर्मदशी ॥ ३० ॥ वदवलाकि
धकशी सवेवलाधियध्वन। सवेला
असिधकनाक गार्थिगर्मदशी ॥
विनतदवनायां श्वर गार्थिगर्मदशी
यति ॥ ३१ ॥ सवेवदमनागि। सवेवदमनाकाय सवेवदसवसगि ॥ ० ॥ सवेमरुवद

३३

आधिकेनडा समरुवदया मनमडा समरुवदगविउडं व सवसगिवावडा थार्थिगर्मदशी ॥ ३२ ॥
वदसुयमनाका वदद्विगलयर
र्थिगर्मदशी धावसा वदयाकजनस
निमवचद्विवागर्मयन नानावसुध
धुका वदयभा रुवशीमान सवेरुहानकासधुका ॥ ० ॥ रुवकयासि गार्थिगर्मदशी सआसन अशदवदा

न
क

सनधव वदयागामुस झास्यनकाधमोस यवय दनांयदायाकन डत्यलिकव अखनशीवनलोना
रुर्वधसनाममगीकि गर्थियधायमा समरुवदयागामुदकासी मवशाकु॥३४॥विश्वम
याधवाजा वदविश्याधवामदान॥ वदमीधामहाखजा विशुद्धयवमादव॥०॥गर्थिय ३४
यवमध्वममिदशीर्ष विश्वमसावयो मायाधवयुस्वातंकरुनां गर्थियवदयागामुधव
वय किष्कियायमकिजडा थर्थियवदहामखमजाडाधवययंथाठ यवमादवधायोविशुद्धयाकनध

उजाखलनमयनदव॥३३॥इखचूदमहायान॥वदधमीमहायध॥गिनजीयजगंसीये वदवदिय
थाथविक॥०॥रुवंगर्थियममिदशीअ नकद॥खभावका वदकिधकनमदक महायानकि
यायालूधव जिनरथागतयामय मरुगमीव वदिवक कथनाधया शुचगाहानदय
मवर्ष॥३६॥सर्वयावमितायवि स विरुमिविरुयन॥विशुद्धधमनेवात्मा मय्युननदुय
त्यरु॥०॥वदरुमियवन दगिरुमिनरुयवयंथाठ अनकश्रुहानभावकाडा यवमहानदाहानचु

मायाविप्रार्थनिमोलयादयकागयाकर्त्तृधर्षिर्मदशी॥३॥ मायाजालमहासाग सर्वेनकाधियः
 व। ज। यवकयथका नि। यवज्ञानः कायधृक्॥ ०॥ रुवकायासि गार्थिर्मदशी मायाजा
 लयादिनिसमस्तुनया अधियनिः रुवगार्थिर्मदशी ज। यवज्ञानमविप्रधनवयवाठः
 वकासनयाडा विज्ञाक॥ ३॥ सम रुवदसमन्त्रि द्विगिराजगवृनि। सर्वेवदमहाग
 री विप्रनिमोलयवधृक्॥ ०॥ गार्थिर्मदशी समस्तुनयाक डरुमयिरुयथिआदिन जगती

सावैधवयवकवर्त्तृधसमस्तुनयायागगुजायवथथायवक रीसावदयकया वकधार्तय
 वाठ॥ ३॥ सर्वेसावसरावा। गु सर्व सावधृक्॥ ०॥ गार्थिर्मदशी वधमंशः
 माननवाठ अनकाधर्म्यासराडा र्त्तधर्मसावयादु॥ ४॥ वकदासामलायाहा सधर्मा
 ववाधधृक्। सर्वधर्मासिममया रुगानुमनिवयधी॥ ०॥ गार्थिर्मदशी काकावजागवयिधु अनका

五

धर्मधायनायाक अनूकधर्मयाकाल रुकयासियायत्रमगुत्रमनिर्बुद्धयर्थिग्वमंजुशी॥ ४५॥ मिमिः
 गिरयसंनत्मा समुक्तवद्ववाधिक॥ यत्यकमववद्वनां हानावित्तयसुनोत्ता संश्रुक्तवद्व
 शास्त्रवक्ष ॥ ४६॥ नंगर्थिग्वयासिदक्ते वाधयादवाद्यत्रमादर्थमहाहानवाक समस्तवद्व ३३
 याद्ववन यत्यकयादवाद्य हानया तजनजाकल्यमानयादवाद्यर्थिग्वमंजुशी॥ ४७॥
 यत्यवद्वत्ता हानगाथाद्ववत्ताविसगु॥ ४८॥ यत्यवद्वत्ता हानगाथाद्ववत्ताविसगु॥ ४९॥ यत्यवद्वत्ता

धकयवः सर्वोयायविः धकः सर्वसत्त्वलिमाना (था) सर्वसत्त्वलभावकः ॥ गर्थियमदशी, दिगकायेसा
 धवय, समरुयालिदाक मरुदयदार्थ
 (थ) समरुसत्त्वयालिया रुयभावक
 वधवशीमान् विवदिरुत्सवयधुका ॥ ॥
 लायवाकमी अगिसजिक रुवगर्थिय अलानी भगुया अरुकावभावक वद्वियाय राडाधवाधुमावधवव

ल
३

युष्मीस्रसावन नु यीवव नु सयं कव नु यध व नु वेका क थर्थि य मी दधी ॥ १ ॥ वा क द सु भ ना द य १ य द नि द
य म र्के न भ धी म नु क रू जा सा गा म ग म ल
धाय सा स म न्द्रि का वा हा म थाल ना ना
य वि यु र्के या हा डा नु य या द वि का क ॥
म ला का न या दं गु षु न ख न्द्रि क ॥ ० ॥ रु व द या सि रु र्ग म र्थि य मी दधी यु धि वि स स क स द्रा य व यं न वा व न व

३१

यु धि वि म नु स म द्रा व कं था ह न या ना क न व द स थ यां स य व क स झाल या ल मि स रु या व र लं ॥ ४ ॥ ए का
थो द्र य ध मी र्थ १ य व मा थो वि न ध व
पू गां ध मी या तं अ र्दि मा धा या ध मी या
द व म न द्रा मि द्रा या दि नं नु य ध व व र्थ
॥ अ ग्रा य सा वा र्थे व ति दू चा ना व ति व र्थी १ सा व या गा व ति व र्थ रु व क य म ला व ति ॥ ० ॥ ग र्थि य मी दधी

३६

समस्तकावसंलय शुद्धात्ममाधिसवय ससावयवगमन अयामवन आदिनकावकावयांठ सगुडिशा
वधमोसमहावय॥६॥ शुद्धशुद्धावद वनअवयवकाकेसयग॥ वावाकेमलुसद्धाया महावा
मानवयुरुभा॥ गार्थिशुद्धवत्रिगका य सुवडर्थिशुद्धाया कठिवाकयवायावदमाडाडर्थी ३६
कोय रुवन्नकववसुयर्थि झाद लक्ष्मी न संयनकवथर्थिशुद्धी॥ १॥ शुद्धनीलायसंवि
था महानीलकयायधी॥ महामलिमयय॥ वदनीमेलरुवन॥ गार्थिशुद्धनीलथीठवमुद्रा

कवमुनगियावविज्ञाक रुवन्ननीलडाडर्थिठठकाकलिसंन शाकायाठधववय रुवन्नमलिकया
नलया कजन शाकायाठविज्ञाक आरुवसन रुयवयाडांशुर्मदशी॥ ६॥ साकधाडः
अकारंया अक्षियादमहाकम॥ महा सुनिधवस्तु वदु॥ सुनिधविज्ञाकथर्थि समाधिया
न॥ गार्थिशुद्धी अशुआदिन लाकधाडयासिसमस्तडा कयायाक अक्षिवलनसं
यनकव वनसधववयकवज्ञानयाकलियवय मेणीकवला आदिनयाकावज्ञाननजायवयआनया

ॐ

समाधिर्व॥ ८॥ वाङ्मंगकसमाभाद तथागकगुलादधिः अङ्गमात्रेनयविरुसमासं वदमात्रेविगु
॥ ०॥ वाधिध्यायाननधननकाकदा न अङ्गमात्रागयालीसव वदयायवमार्थज्ञानयान
सवार्थिगर्मदशी॥ १०॥ सर्वसत्वम हासीगा निःसं (गागमनाकम) सर्वसत्वमनाजाकम ३०
सर्वसत्वमनाजवशा ॥ गार्थिगर्मदः शी समस्त्यालियनिसमंग रुचंगार्थिगवृयध्यासुनं
संगमदृष्टनिसंग आकासथदगा समस्तुतिवाजनुयामनसजायवय रुचमनयार्थिग वंगनयसंय

दवत्वं॥ ११॥ सर्वसत्वंदियाथेह सर्वसत्वमनाकस। र्यवक्तव्यार्थकवक्तुः र्यवक्तव्यविशुद्धध्वनः॥ ०॥ समस्त
यासियाविरुसवाडाडा रुचंगारुग आदिन र्यवक्तुविशुद्धमयकं नादयकाडा युधिविधाड
याकनि अयधाडमावनी रुकधाडवा कयेसी वायधाडयदनुदध्वनी आकासधाडयदक
वनी धदागुठिर्ध्यायानत्वंसव धदा गुत्रियाविशुद्धसव धवत्रयाडायाठ थार्थिगर्मदशी
॥ १२॥ सर्वनियोनकाटिम् सर्वनियोनकाविदश सर्वनियोनकागम् सर्वनियोनदशकश ॥ गार्थिगम

क
०

मरुनियो नखावक यानियो नवयो आह वनयाह अनकनियो नया खभव नानानियो अ वसभव सम-
मडयद अविशरुडा धर्थियमइशी ॥१३॥ द्वादशांगारुवा खवा द्वादशांका वयुद्धधुका व
कुमलनया काया अमलना वधधुका ॥
मलुनया रुयंरुडा द्वादशांका वसु
यया आकाव विवक आदिन आका लनवन धर्थियमइशी ॥१४॥ द्वादशांका वसुत्पाथे द्वादशांका वन-

४०

खविग विंशत्याका वसंवाधि विवद्व सर्ववित्य वधार्थियमइशी द्वादशरुथया आका वमल्लिध वययाडा
आय सूर्यदवगा आउभकलान संयं
नेलाक यारु रुविद्व वले मान सवत्वं ॥
कनारिममयः सर्वयिले कसार्थे विरु
मीभयाह दयक सीमान ध्वननमीरुधक कनिक विरुध वययांठ धर्थियमइशी ॥१५॥ नाना यानन-

क
७

आयाय जगदर्थविहावकायानिगिनियोग नवकयानरुलसिगशा ॥ नानाया नधाया ॥ कयाडयाय
विवावसडा जगगसंसाययाडयाय
रुलविडा थर्थिगमंडयी ॥ १० ॥ कया
मीले आगका नावनि ४५ कशा ॥ ० ॥ ना
समूदया याववठ आगकयुगिहाहन वनसवाठ थर्थिगमंडयी ॥ १० ॥ कयायकयासिकया सयदिनस

४६

वासनयलायायमहाकवला अमायजगदर्थकशा ॥ ० ॥ नानाकयायानिग कडाकयाविडा कवकड वका
लआसनयाक लानयाडयायकवला
क थर्थिगमंडयी ॥ १० ॥ सर्वसंज्ञाय
य सर्वसत्वमनागति ॥ ० ॥ समकला
गमनमानरावयककष कयायमजिडा ॥ १० ॥ सर्वसत्वमनानुसू कयिके समतांगकशा सर्वसत्वमनाला

क
दि

दि सर्वसत्त्वमनावति॥ ०॥ समस्तसंमनसावति॥ समस्तसत्त्वमनावति॥ समस्तसत्त्वमनावति॥
ननुविद्वत्समस्तसंमनसावति॥ समस्तसत्त्वमनावति॥ समस्तसत्त्वमनावति॥ समस्तसत्त्वमनावति॥
वेद्यानिविद्वज्जिह्वानिमदियमतिगन्ध
संसंसावत्यानानायायावत्समस्तसत्त्वमनावति॥
कथंथिगमंजशी सत्त्वगुणयादिनं स्वगुणिसुखयाड आत्मायागं॥ १२॥ यवक्तुश्चाथनिकाव सर्वकला

४१

विज्ञावका॥ नककला॥ रिसीवाधि सर्ववद्वत्सावधुक्॥ ०॥ युथिविक्तध्यादिनंदागुलिरुक्तकथ स्वगुणि
वद्वत्सावत्यादिनया कलंदयक मद
आवसावधवयव थर्थिगमंजशी॥
स्थायवृयसंदशी वलकठमदामनिष्ठ
तध्वजस यादमदामनिनभासावत्यावाह थर्थिगमंजशी॥ १४॥ समस्तसत्त्वमनावति॥ ०॥ स

॥ स

मगाहानगाथा (आ) कनियधय ॥ ० ॥ सर्वे वदन्वाधया वदन्वाधिविनिर्लेख्य अनर्ककथा मनुयानि म
 हा मनुक वरुय ॥ ० ॥ समस्त वदन्वाधया वदन्वाधिविनिर्लेख्य अनर्ककथा मनुयानि म
 दडा आश्वर मद्रुगुवसुय सुगुलि मनुयाक वत धर्षियमंरुयी ॥ ० ॥ सर्वे मनायेजे ४३
 नका महाविद्वन्महाकल धर्षियादया महाशुन्य विद्वन्मुन्यवत कथा ॥ ० ॥ आश्वर विद्वमा
 गाधनय नमावद्वायदाय र्यादाकव आश्वर धर्षियमंरुयी विद्वमद्रुगुवसुय

उदरीधयाध अययवनायधाय ॥ २ ॥ सर्वो कालनिवाकाल धाउभादाध विवधुका अकवकावभागीक
 वदथेध्यानकाठिधुका ॥ ० ॥ सर्वे आका समद्र जिमवगुठिया वरुयानवद्वि धर्षियमंरुयी
 न विद्वन्महाकल धर्षियादया महाशुन्य विद्वन्मुन्यवत कथा ॥ ० ॥ आश्वर विद्वमा
 मंरुयी धर्षियमंरुयी महाकल धर्षियादया महाशुन्य विद्वन्मुन्यवत कथा ॥ ० ॥ आश्वर विद्वमा
 धिकवगावविन समाधिकायकाया (य) सर्वे मनायेजे ॥ ३ ॥ सर्वे ध्यानकाठिधुका सर्वे
 धिकवगावविन समाधिकायकाया (य) सर्वे मनायेजे ॥ ३ ॥ सर्वे ध्यानकाठिधुका सर्वे

क
क

गामभय समाधिधरयय समरु नानासुखया सायु मरु कवयावविष्काक समरु समाधिया राजा धर्थि
यमं दधी ॥ ४॥ निमोन कायकाया
वदगदधेक ॥ ०॥ गर्थिगमं दधी
गयादिनं वदुदेमरुवनदयक धर्थि
शा सवदादानवाधियधममवदुसवगुव यमथेयमथेधवभा ॥ गर्थिगधमधिरुधमं दधीधाया

गु वदनिमोन वंगधक दधीदियिधनिमोना यथा
नीमोन गरीवदयक वदुदेयां निमोनयाक दधीदि
यससावयाडयकागीमं दधीती ॥ ५॥ दधानिदवदव

४४

अं समरुदवयासिनंदव समरुदवया राजा वृत्तं धद्वं संरुदानं डायप्रधियति धर्थियदुनंस
मरुदवयास्वामी समरुदवयागु
डलीरुवकावाव नकभासाजग
॥ ०॥ सीसावदागठाव दधीमनयाया
मिथ्यायाठाववाय दधीदिगलाक संयकागियाठाडा धमेदानयगियाठवाठ धर्थिगमं दधी ॥ १॥

वयथमनतं दधं धस्थाव धकगमया वृत्तं ॥ ६॥
रुवधयथागिदधीदि साक ॥ धमेदानयगिमदान
वंदय समरुजगक सीसावयागुव ॥ जगक संसावं

क
द

मेवीसंनदसंनद १ क व ल ध म ध मि ना य ल ल व न ध न वी न क ग ल ना व सं ज द ध ॥ ग र्थि य मं ड
जी म म रु डा मि रु ना व या क ध मि
दियाडा य ल ल व न क हा डा ध न व
म म स्या व कं वा द क ध र्थि य मं ड थी
व मा व व मं ज ना सं व ड ला क ल य क ॥ १ ॥ वा क्ता जा दि न व ड मो व थ मं ज य व थ व थ ड मं ड थी स्या न द व

न द ग हा स ना ल ल क हा व क व ल ल ग हा क व व न
वा ध व व थ क ग ग हा द ४ स डा द ह या हा डा सं गा
॥ ८ ॥ मा वा वि मा व जि वी व व ड मो व र थान क रु ना स

४३

ग र्थि य ध क मा व थारु थं मा व क म म रु मा व थारु मा व का डा ल न ध व व थारु व थारु ॥ २ ॥ वं ड थु क्ता
रि वा द थ मा न नी य थ नि स र ग ज
मं ड थी म म रु स्या न न म क्ता व थारु
मा न थारु थं ध स व व थं ध थ थि
मि थारु मा य थं क वि क म वि वि थ १ ॥ मि थारु व थं थं रि ल व थं न सृ मि ॥ ॥ ग र्थि य मं ड थी धा व सा

व नी थारु नी मा थारु न म १ थारु व मा यु व थारु ॥ ग र्थि य
क थारु मं ड नं थु जा थारु क थारु ध रु म व थु जा थु मं
थु व व मं थु व लं मं ड थी रु व ॥ १ ॥ वं ल क क क मा ग
॥ ग र्थि य मं ड थी धा व सा

क
न

किलाकर्म्मसम्पन्नविज्ञाक रुचं गथिगुमे आकासत्वं आयवयं विज्ञाक स्वभावविद्यानसंज्ञक डलेमकपव
न मदायविक यउरिहृयुधिविज्ञा दिनं यगुठिकत्वसव कामआदिनेयगावद्विवन
११॥ वाधिमवमदासव लाकागिका महद्विकभायह्यायामितानिष्ठ यहावतनभागति ४६
लाकनमयमजीव महकव वाधिधा याहानमवीयधययं विज्ञाक रुचं यहायामिताय
कव समाधिधययव शुच्यगाध्या नयाहथाह थर्थियमंज्ञयी ॥ १२॥ आत्माविद्ययवित्तवे सवीयोह्य

गमंगला सवीयसामनिकान रुथाह नाधिययव ॥ ०॥ गर्थियमंज्ञयी थव आत्मायय आत्माभव ड४
स्वमववदनाभव रुचं समरुसाकस आयावय आदिसधयवय सवीययादि थर्थियम
र्थियधायंडयमानमजीव डयमाहा यजीव ययमार्थहाननरुवकीव ॥ १३॥ धर्मदानय
निलिष्ट वउमदाथदभक ॥ ययया शरुभाऊगता नियोर्भययादिनं ॥ ०॥ धर्मदान
याकर्म्म महाडलेमथिष्ठमं ध रुचं महामदाआदिन वउमदासवमंडयदसविमं रुचं आवक यय

क
श्रु

क मरुत्यानमं डयदधववयं कर्मयाकर्मध्वं वंजगकसंसारनंयुजायायआश्वं धर्म मंडशीतं॥
५४॥ यवमाद्यविश्वद्वयी तिलाकृत्तु
म॥ गर्थियमदशी यवमार्थेनम
द्वंसमरुसंयगीवियद्वय अकिमन
नद्व मंडशीतं॥ ५५॥ कृत्यानमं नमनगाथा ४ यं वदम ॥ ५६॥ कृत्यानमं नमनगाथा ५ कजिमहाय॥

४१

॥ ५७॥ नमरुववदवजाय रुकुकाठिनमाश्रुका नमरुश्चकागरे वदवाधिनमाश्रुका ॥ ५८॥ गर्थियमंडशीत
ववदानयसादविव वदयानं डकाया
रुकुआत्मायार्क नमकाव श्रुचकागरे
नमविवदयार्क नमकाव ॥ ५९॥ वद
वदभादनमानम॥ ६०॥ गर्थियमंडशी वदकावागयाययंयुज नमकाव वदयामवीवधववयुज नमः

३३

मन्त्राय वद्वयाभेगी मन्त्रायीनियामकं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार १॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं वद्वयाभेगी नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार २॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार ३॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार ४॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार ५॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार ६॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार ७॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार ८॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार ९॥ वद्वयाभेगी नमस्कार
 यं नमस्कार वद्वयाभेगी नमस्कार १०॥ वद्वयाभेगी नमस्कार

मु वद्ध सा वन मी नमः ॥ ० ॥ भिनी लान यु का म या क म
या नं नमः सा व वद्ध या व व न लो म या नं नमः सा व वद्ध
॥ य न व द्ध व न म मु र्वा न म रु व द्ध सं रु व १ न ग लो रु व

83

[illegible]

ॐ सर्वेभ्यो नमः शान्तिं ॥ ० ॥ मायाजायते
न्यायकृत्त्यानं नमस्तु ॥ अनवसंज्ञावसंज्ञानधीश्वर
स्यानं नमस्तु ॥ यादृग्यान्तं नमस्तु ॥ ३ ॥ ॐ नमो
राधादेवे राधादेवि शुद्धबदनं ज्ञानं अक्षयकृतियविष्णु

क
७

द्वाष्ट्रम्याय इत सर्वे गथा गगन कान्ताय मंदोती य विष्णु दी नाम या दाय नि अया ४६ सर्वे गथा गगन दय रु
वरुण उं कं दी र ग वा ज्ञान मरुति वागीध
ज्ञान ग रं जा ॥ ० ॥ म रु वि न्या म ॥ ४६ का
व या ह धे नाम संगी कि धाय अया नि
म रित्व अ न या य उं कं दी धाय मंदोती या म वि र स र्ग म ध्या या न ल वं या क या द वा द ज्ञान मरुति न वागी

४२

अथ व व न या अधि य नि म व स र्गि या म स या द क म म रु ध मा स व य ग ग सा रं वा धा य आ का ग र्थ नि मा
ल ध मा धा उ ज्ञान आ का ग र्ग र वि व र्ग
उ म्मा रु मां ज लि य ल श ना थ सं व दं
म क द द वा व व द या लि रु य मा न वा या
या न ॥ ० ॥ अ यो य व रु वि धे ना थे ४ यु ज्ञ वे व द या लि रि । स मा द्ध का ध वा ज्ञाने या वा य वे वि दं व र शा ॥

५०

ध्वजध्वजं भवदासं भाद्रयानं गुह्यसा राजा वदयासि यरुनिन काधराजासि क नवधव्यादा
डा सुवीरं समरुच्यनं वचनधिरा
साकं मदानाथं सम्राट्वाधियायक
भाद्रमनिजयनिसकं रुचमानवा
वजयनिस रुचकार्यं नयात्वं गधिं गृह्यार्थे भावसा धर्मे गतसीसावया डरुम डयकावन संवाधीला

॥ २ ॥ अनुभादा मरुनार्थं गाधराधाशुकायितं कृता
॥ ० ॥ गधेवदयासि आदि सन ज्ञाया भावसा रुनाथ
आग धनधन नवधट श्रीभाद्रमनि द्विवचन इयि

५०

नवायदवगुत्रिकार्यध्वजं नकाठा ३ ॥ जगन्नाथनाथसा विविमकि रुसकादिन। एथासा (श्रीवि
शुद्धायं मायाकासनयादिन ॥ ० ॥ ध
धमनायाककन भाद्रनाक कल्यान।
जानाक रुसकासा नयासध्व ॥ ४ ॥ ग
धयाक य ससाक वदरायिन ॥ ० ॥ गधिं रुधनामसंगी कियारु अगि गंरिवथा रुमयमद डरु

वदयिव गधिं गृह्यार्थे भावसा धर्मे गतसीसावया डरुम डयकावन संवाधीला
साये सद्विवक गुविधरु (मानकाया भावसा माया
रिवादावैमृत्वा * महा (श्रीजगदर्थे रुग। वदनां वि

६५

मन्त्रज्ञानस्य गव्यार्थे लाक्यादिकथाय धनमवकासश्च समस्तगन्धगन्धया धनडाहर्थिगुण्य सम्रा
 ॥ ०॥ दयसदावगाथाशोक दाय ॥ ०
 ॥ यागिसमाधिजालयववारुगवर्क
 नसत्वस्य दयववमार्थे नामसंगीकियत्रिमाम् ॥ ०॥ धनकडलेममाया जालककुसलायाजिमयदो

अदयकाश्वधन ॥ ०॥ इतिउयसदावगाथाययभा
 ॥ आयेमायाजालयववारुगवर्क
 कथागवर्कशीभाकुमनिकोयिता रगवकासंशशीला

ॐ

मगवृत्त मलायागककुसवीठ मयवमयागसवाठ समाधिजालयवसमयिकाया शीभाकुमानस्य
 ज्ञाया मंशशीयाज्ञानशीव धनवयं
 थधमोददुयरावा रुकुनवागथा
 ॥ ०॥ मशीकायमलुयमहानगवाधी
 महावाजाधियाजविदयवृजमलि शकलराजवकाधिश्वर शीशीवाजराजवृ कविवृजययनायमल

वाठ यवमार्थेनामसंगीकि धनसमाकभा ॥ ०॥
 गकाः रुवदकेयांरथानिलाट नवंवादिमलश्वस
 यति ॥ स्वमिश्रमममसंगीनादि नकलविज्ञायावग

रु
दि

यत्नमरुद्रासकयसुधाकलदवस्यविजयवाङ्म॥ ०॥ दानयुति विकनमंगुठिकाय मंरुथीनकमरु
विदाय जावधुयुदावसि न धर्मोआ
कुम विश्वकल्मावगावदस्यिधाठावव
नयागुलिसासुदयकाङ्क्षा॥ ७॥ नत्य
मानससिद्धिदिलमु॥ ७॥ जथाभास्यं नथाकुरुलंघायवनि॥ ०॥ यथासुसम्बन्धे न आचारमांसशुक्ल

७१

यत्न हनियंतिथो वृद्धस्यमिवाव ननुदिन लिखितसंयसुमिति॥ लिखितंय कलमवमदावि
दावावसि न ववकावालावननिय
आदयं नथासिखितं लखकनासि
॥ ७॥ ७॥ शुभमकीलरुववु॥ ७॥

नायुदागवा वदावायशीरतदवनसिमायिगं य
दायं जदिशुद्धेमशुद्धेवाधनियंमदवध्नी॥ ०॥

श्री गणेशाय नमः

५५१

क
यो नाम संगति वृक्ष गहले यध लाः सैले थादा होलाः संपु री भा
या टिका भय को दूरा
जति को धर्म वृक्ष ने आ
क क सैले लो भन गहन
ह भनि स न १५० साव ला सुदि १० हो ज ३ सा बो नि वहुन स आर
गहि आ फ ना पुर्वा जा नि ह्या हा २ गरि राया को द न स या ठ ग

मंजुश्री
पान को
हो न को
मंजुश्री
पान को
हो न को

मंजुश्री
पान को
हो न को
मंजुश्री
पान को
हो न को

आशा भोंसले

541

ASHA ARCHIVES

